Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 October 2024

Dainik Jagran
Page - 06

अकादमिक सहयोग को गोवि व हिमालय प्रौद्योगिकी संस्थान में हुआ करार

करारनामा दिखातीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर के डा. सुदेश कुमार व दोनों संस्थानों के प्रतिनिधि • सौ. गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की पहल पर गुरुवार को अकादमिक सहयोग के लिए विश्वविद्यालय और हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) के बीच करार हुआ। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की मौजूदगी में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी और प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से डा. सुदेश कुमार यादव ने करार की प्रक्रिया पूरी की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि यह करार दोनों संस्थानों में अकादमिक क्षितिज को व्यापक बनाने और अनुसंधान व नवाचार को बढ़ाने में प्रभावी सिद्ध होगा। प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी ने करार के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र को रेखांकित करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य पारस्परिक हित के क्षेत्रों (जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, पादप प्रणाली विज्ञान, पारिस्थितिकी, रासायनिक विज्ञान, आहार विज्ञान और पोषण, पर्यावरण विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, कृषि विज्ञान या किसी अन्य क्षेत्र/अनुशासन) में सहयोग को बढ़ावा देना है। इस दौरान प्रो. पूजा सिंह, प्रो. वीएन पांडेय, डा. रामवंत गुप्ता, वैज्ञानिक डा. सुखजिंदर, डा. विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष और प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से डा. सुदेश कुमार यादव ने पूरी की करार की प्रक्रिया

गंगा की जैव विविधता व आद्रभूमि संरक्षण पर होगा मंथन

जासं, गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान की ओर से 18 व 19 अक्टूबर को कार्यशाला आयोजित होगी। 'गंगा की जैव विविधता और आद्र भूमि संरक्षण' विषय पर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित होने वाली कार्यशाला में नमामि गंगे परियोजना के तहत डाक्यूमेंट्री की प्रस्तुति की जाएगी। कृषि संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्रा ने बताया कि भारतीय वन्य जीव संस्थान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की सहायता से नमामि गंगे तहत 'गंगा नदी बेसिन में जलीय प्रजातियों के संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के रख रखाव के लिए योजना लागू करने जा रहा है। इसके दायरे में गोरखपुर भी है क्योंकि गंगा नदी की उप-सहायक नदी बेसिन में स्थित प्रमुख शहर है।

युवाओं को भा रही लोकगीतों की मिठास

Amar Ujala
Page - 08

बीआईटी में छात्रों ने तकनीकी माडल का किया प्रदर्शन

गोरखपुर(वि.)। बीआईटी गीडा में बृहस्पतिवार को बुद्धा शरद महोत्सव का शुभारंभ गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। इसमें बीटेक, डिप्लोमा, फार्मेसी, आईटीआई, पैरामेडिकल एवं डिग्री के छात्र-छात्राओं ने अपने तकनीकी माडल (रचनाओं) का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि भावी वैज्ञानिकों की ओर से बनाए गए मॉडल इतने उपयोगी एवं आधुनिक है, जिनका प्रयोग कर कम समय में अधिक कार्य किया जा सकेगा। बीटेक, डिप्लोमा, फार्मेसी, मैनेजमेंट, डिग्री, पैरामेडिकल एवं आईटीआई संस्थान के हजारों छात्रों द्वारा सैकड़ों माडल का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान के चेयरमैन डॉ. आरए अग्रवाल ने कहा कि बड़ी सोच रखें, इससे ही बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक प्रशासन-दीपक अग्रवाल, सीटीओ प्रो. एन गुरुप्रसाद, निदेशक बीआईटी डॉ. अरविंद कुमार पांडेय, निदेशक फार्मेसी डॉ. आशीष सिंह, निदेशक डिप्लोमा ई. अभिनव श्रीवास्तव, निदेशक बीडीसी डॉ. लतेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

डीडीयू : नई शिक्षा नीति का सारथी बनेंगे छात्र... करेंगे प्रचार-प्रसार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देश पर डीडीयू में होने जा रहा चयन

डीडीयू: खेलों की टीमों के चयन के लिए तिथि घोषित

Hindustan
Page - 06, 07, 08

'सारथी' बनेंगे विद्यार्थी, करेंगे एनईपी का प्रचार-प्रसार

'हिन्दुस्तान फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स' के विजेताओं को मिले पुरस्कार

एनएसएस के लिए पंजीकरण शुरू

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए गुरुवार को पंजीकरण शुरू हो गया। पहले ही दिन इसे लेकर छात्र-छात्राओं में उत्साह रहा। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहले दिन 253 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। डीडीयू में एनएसएस के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय कैंपस में रासेयो के कुल 13 यूनिट हैं। प्रति यूनिट में सौ छात्र-छात्राएं होते हैं।

जैव विविधता-आद्रभूमि संरक्षण पर मंथन आज से

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान द्वारा 18 व 19 अक्तूबर को कार्यशाला का आयोजन किया गया है। 'गंगा की जैव विविधता और आद्र भूमि संरक्षण' विषय पर संवाद भवन में नमामि गंगे परियोजना के तहत डाक्यूमेंट्री की प्रस्तुति की जाएगी। उक्त जानकारी डीडीयू के कृषि संस्थान के निदेशक प्रो. शरद मिश्र ने दी। बताया कि कुल 100 से अधिक स्नातकोत्तर कृषि के विद्यार्थी व शिक्षक इसमें प्रतिभाग करेंगे।

डीडीयू और हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान में एमओयू

■ एमओयू से दोनों संस्थानों में अकादमिक क्षितिज को व्यापक करने पर जोर

Rashtriya Sahara
Page - 07, 09

बीआईटी में टेक-युवा व बुद्धा शरद महोत्सव का आयोजन

डीडीयू व सीएसआईआर आईएचबीटी के मध्य हुआ करार

दीक्षा भवन में दिखेगी गोरखपुर के संस्कृति की झलक

विवि चुनेगा एनईपी सारथी

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जागरूकता के प्रसार और इन नीतियों के विषय में विद्यार्थी समुदाय का फीडबैक प्राप्त करने के लिए 'एनईपी सारथी' के रूप में 12 विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा। चयन प्रक्रिया इसी सप्ताह आरम्भ हो जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि सारथी के रूप में चयनित होने वाले विद्यार्थी परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता प्रसार के लिए आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के सूत्रधार होंगे और विभिन्न रचनात्मक माध्यमों से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के साथ साथ यूजीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभागिता भी करेंगे। वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सारथियों को विश्वविद्यालय प्रमाणपत्र प्रदान करेगा। बता दें कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में सभी स्टेकहोल्डर्स खासकर विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए सारथी नामित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों में अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बेहतर संवाद और नेतृत्व कौशल, दायित्व बोध और रचनात्मक प्रतिभा संपन्न विद्यार्थियों को सारथी के रूप में चयनित करने के निर्देश दिए गए हैं। सारथी की चयन प्रक्रिया के लिए स्नातक के तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर के, परास्नातक के पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर के तथा शोध कार्यक्रम के पहले वर्ष के विद्यार्थी ही अर्ह होंगे। चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए एनईपी समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी विभागों से नमित विद्यार्थियों में से साक्षात्कार और चयन के बाद 12 विद्यार्थियों को सारथी के रूप में नमित किया जाएगा।

Amar Ujala Select
Page - 05

टीमों के चयन के लिए तिथि घोषित

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद की ओर से पूर्वी क्षेत्र/ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 के लिए विश्वविद्यालय की बॉस्केटबाल, हॉकी, वालीबॉल, कबड्डी, तैराकी, क्रॉस-कंट्री के पुरुष एवं महिला टीम के चयन की तिथि घोषित कर दी गई है। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय क्रीड़ांगन में 19 अक्तूबर को एक बजे वॉलीबॉल (पुरुष/महिला), 20 को दोपहर दो बजे क्रॉस-कंट्री (पुरुष/महिला), 21 को दोपहर एक बजे बास्केटबॉल (पुरुष/महिला), 23 को दोपहर एक बजे हॉकी (पुरुष/महिला) एवं 24 को दोपहर एक बजे महिला कबड्डी टीम का ट्रायल एवं चयन किया जाएगा।

डीडीयू में कार्यशाला आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 18 व 19 अक्तूबर को किया जा रहा है। इसका मुख्य विषय गंगा बायोडायवर्सिटी तथा वेटलैंड कंजर्वेशन है। कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र ने बताया कि गोरखपुर, गंगा नदी की उप-सहायक नदी बेसिन में स्थित एक प्रमुख शहर है, जो राप्ती और रोहिणी नदियों के तट पर स्थित है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को गंगा नदी बेसिन में जैव विविधता संरक्षण के बारे में जागरूक करना है, जिसमें सहायक नदियां भी शामिल हैं। कार्यशाला का उद्घाटन शुक्रवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन की ओर से संवाद भवन में किया जाएगा।

डीडीयू : नई शिक्षा नीति के सारथी बनेंगे छात्र...करेंगे प्रचार-प्रसार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देश पर डीडीयू में होने जा रहा चयन

Swatantra Chetna
Page - 05

विश्वविद्यालय चुनेगा एनईपी सारथी

☐ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता प्रसार के लिए इसी सप्ताह शुरू होगी चयन प्रक्रिया

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जागरूकता के प्रसार और इन नीतियों के विषय में विद्यार्थी समुदाय का फीडबैक प्राप्त करने के लिए एनईपी सारथी के रूप में 12 विद्यार्थियों का चयन करेगा। चयन प्रक्रिया इसी सप्ताह आरम्भ हो जाएगी।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने बताया कि सारथी के रूप में चयनित होने वाले विद्यार्थी परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता प्रसार के लिए आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के सूत्रधार होंगे और विभिन्न रचनात्मक माध्यमों से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के साथ साथ यूजीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभागिता भी करेंगे। वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सारथियों को विश्वविद्यालय प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में विद्यार्थियों की अहम भूमिका है। एनईपी सारथी के रूप में चयनित विद्यार्थी न केवल इसके विषय में जागरूकता प्रसार करेंगे बल्कि विद्यार्थियों के फीडबैक संकलित करने का दायित्व भी निभाएंगे- कुलपति प्रो पूनम टंडन

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में सभी स्टेकहोल्डर्स खासकर विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए सारथी (स्टूडेंट अम्बेसडर फॉर एकेडमिक रिफॉर्म्स इन ट्रांसफॉर्मिंग हॉयर एजुकेशन इन इंडिया) नामित करने के निर्देश जारी किए हैं।

इस संबंध में यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों में अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बेहतर संवाद और नेतृत्व कौशल, दायित्व बोध और रचनात्मक प्रतिभा संपन्न विद्यार्थियों को सारथी के रूप में चयनित करने के निर्देश दिए गए हैं। सारथी की चयन प्रक्रिया के लिए स्नातक के तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर के, परास्नातक के पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर के तथा शोध कार्यक्रम के पहले वर्ष के विद्यार्थी ही अर्ह होंगे।

चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए एनईपी समन्वयक प्रो हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी विभागों से नामित विद्यार्थियों में से साक्षात्कार और चयन के बाद 12 विद्यार्थियों को सारथी के रूप में नामित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज

☐ गंगा की जैव विविधता के संरक्षण पर आधारित होगी कार्यशाला

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में 18 व 19 अक्टूबर को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसका मुख्य विषय गंगा बायोडायवर्सिटी तथा वेटलैंड कंजर्वेशन है ककार्यक्रम का उद्घाटन 18 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा संवाद भवन में किया जाएगा ... गंगा नदी बेसिन में जलीय प्रजातियों के संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के रखरखाव के लिए योजना और प्रबंधनपरियोजना को लागू कर रहा है। कृषि एव प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने बताया कि गोरखपुर, गंगा नदी की उप-सहायक नदी बेसिन में स्थित एक प्रमुख शहर है, जो राप्ती और रोहिणी नदियों के तट पर स्थित है। ... होती है। भारतीय वन्य जीव संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा गंगा की जैव विविधता एवं उसके संरक्षण पर व्याख्यान दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान द्वारा वन्य जीव संस्थान, देहरादून के संयोजकत्व मे आयोजित इस कार्यशाला मे 100 से अधिक स्नातकोत्तर कृषि के छात्र व शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

वि. वि. में खेल टीमों के चयन की तिथि घोषित

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद द्वारा पूर्वी क्षेत्र/ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-25 हेतु विश्वविद्यालय की बॉस्केटबाल, हॉकी, वालीबाल, कबड्डी, तैराकी, क्रॉस-कण्ट्री के पुरुष एवं महिला टीम के चयन की तिथि घोषित कर दी गई है।

क्रीड़ा परिषद सचिव डॉ राज वीर सिंह ने बताया कि ये चयन 19 से 25 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें 19 अक्टूबर को अपराह्न 1:00 बजे वालीबाल, 20 अक्टूबर को अपराह्न 2:00 बजे क्रॉस-कंट्री, 21 अक्टूबर को अपराह्न 1:00 बजे बास्केटबाल, 23 अक्टूबर को अपराह्न 1:00 बजे हॉकी एवं 24 अक्टूबर को अपराह्न 1:00 बजे महिला कबड्डी टीम का ट्रायल एवं चयन किया जाएगा। तैराकी (पुरुष एवं महिला) टीम का ट्रायल 25 अक्टूबर सुबह 9:00 बजे सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में होगा। कहा कि विस्तृत सूचना के लिये छात्र, क्रीड़ा परिषद से संपर्क कर सकते है।

Super Fast Times

राष्ट्रीय शिक्षा नीति जागरूकता के लिए डीडीयू करेगा एनईपी सारथी का चयन

-इस सप्ताह शुरू होगी चयन प्रक्रिया

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूकता फैलाने और इन नीतियों के बारे में छात्र समुदाय से फीडबैक प्राप्त करने के लिए 12 छात्रों को 'एनईपी सारथी' के रूप में चुनेगा। चयन प्रक्रिया इस सप्ताह शुरू होगी। कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने कहा कि सारथी के रूप में चयनित छात्र परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के आर्किटेक्ट होंगे और विभिन्न रचनात्मक माध्यमों से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे और साथ ही यूजीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। हर वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सारथी को विश्वविद्यालय प्रमाण पत्र भी प्रदान करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में सभी हितधारकों, विशेषकर छात्रों को शामिल करने के लिए सारथी (भारत में उच्च शिक्षा के परिवर्तन में शैक्षणिक सुधारों के लिए छात्र राजदूत) को नामित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में यूजीसी द्वारा जारी दिशा-निर्देश में शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट, बेहतर संचार एवं नेतृत्व कौशल, जिम्मेदारी की भावना और रचनात्मक प्रतिभा वाले विद्यार्थियों को सारथी के रूप में चयनित करने का निर्देश दिया गया है। ग्रेजुएशन के तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर, पोस्ट ग्रेजुएशन के पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर और रिसर्च प्रोग्राम के पहले वर्ष के विद्यार्थी ही सारथी चयन प्रक्रिया के लिए पात्र होंगे। चयन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए एनईपी समन्वयक प्रो० हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि साक्षात्कार और चयन के बाद सभी विभागों से नामांकित विद्यार्थियों में से 12 विद्यार्थियों को सारथी के रूप में नामित किया जाएगा।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। एनईपी सारथी के रूप में चयनित विद्यार्थी न केवल इसके बारे में जागरूकता फैलाएंगे बल्कि विद्यार्थियों से फीडबैक एकत्र करने की जिम्मेदारी भी लेंगे"

प्रो०पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय